SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल आत्मसंयम (संयम) के बारे में क्या कहती है? — इसे जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्ग नंबरों के साथ KJV पवित्रशास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

संयम — आधारभूत बाइबिल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

संयम किसी और चीज़ से पहले एक चाल है। एक बालक एक ही दिन में स्वयं पर शासन नहीं करता: पहले वह घुटनों के बल चलता है, और उठाया जाता है, और दूध पिलाया जाता है; फिर उसका दूध छुड़ाया जाता है, और वह शांत हो जाता है, जैसे कोई बालक अपनी माता से दूध छुड़ाया गया हो; फिर वह चलता है, और बुराई को नकारना और भलाई को चुनना सीखता है; फिर वह दौड़ता है — और जो कोई पुरस्कार के लिए स्पर्धा करता है वह सब बातों में संयमी होता है। यूनानी शब्द है एग्क्रातेइया (G1466, संयम) — भीतर की सामर्थ्य, अपने ऊपर व्यक्ति का स्वयं का शासन; और इसका एक साथी है, एग्क्रातेउओमाइ (G1467, संयमी होना), जो वही सामर्थ्य है जिसे दौड़ में काम में लगाया जाता है। इब्रानी इसे एक ही शब्द में रखती है, मशल (H4910, शासन करना) — जो अपनी आत्मा पर शासन करता है वह उससे उत्तम है जो एक नगर को जीत लेता है; और जहाँ वह शासन न हो, मत्सर (H4623, संयम), वह व्यक्ति एक टूटे हुए नगर के समान है, जिसकी शहरपनाह नहीं है। यह अध्ययन संयम को व्यक्ति की सम्पूर्ण यात्रा भर में साथ लेकर चलता है: कैसे वह इसे तब पाता है जब वह केवल घुटनों के बल चल सकता है; कैसे वह इसमें दिन-प्रतिदिन चलता है जब वह उसके पास आ जाता है; कैसे वह इसके साथ दौड़ता है और अपने आप को एक सैनिक की तरह अर्पित करता है; और कैसे वह अंत में रेखा को पार करता है, जहाँ मुकुट कभी नाश नहीं होता, और जहाँ संसार मिट जाता है, और उसकी अभिलाषाएँ भी उसके साथ, परन्तु जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है वह सर्वदा ठहरा रहता है। इसे खोजकर देखो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. संयम कहाँ पाया जाता है, और मनुष्य पहले-पहल उस तक कैसे पहुँचता है?
2. एक बार जब किसी व्यक्ति के पास संयम हो, तो उसे उसका क्या करना चाहिए, और इसे दिन-प्रतिदिन कैसे जीवन में उतारा जाता है?
3. दौड़ का अंत कैसे होता है — कौन सा मुकुट रखा हुआ है, और जब संसार बीत जाता है तो कौन सदा तक बना रहता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"संयम" — **G1466 egkrateia** — आत्म-संयम, संयम, संयम
आत्मा का फल संयम है

"संयमी" — **G1467 egkrateuomai** — आत्म-संयम रखना, नियंत्रित करना, संयमी होना
जो कोई भी विजय पाने के लिए प्रयत्न करता है, वह सब बातों में संयमी होता है

“बढ़ाया” — **G4298 prokopto** — वृद्धि होना, आगे बढ़ना, बढ़ते जाना
यीशु ज्ञान और डील में बढ़ता गया

“अति” — **G810 asotia** — अनियंत्रण, ऐयाशी
मदिरा से मतवाले न हो, जिस में लुचपन है

“संयमी” — **G1468 egkrates** — संयमी, भीतर से बलवान
संयमी, न्यायी, पवित्र, संयमी

“नियंत्रण में रखना” — **G5299 hupopiazo** — शरीर को वश में करना, पीटना
मैं अपनी देह को वश में रखता हूं

“वश में करना” — **G1396 doulagogeo** — वश में करना
इसे वश में लाना

“विजय के लिये प्रयत्न करे” — **G118 athleo** — संघर्ष करना, विवाद करना
यदि कोई पहलवानी करे

“हथियार” — **G3696 hoplon** — हथियार, कवच, उपकरण
हमारे युद्ध के हथियार शारीरिक नहीं हैं

“वज़न” — **G3591 ogkos** — भार, बोझ
आओ, हम हर एक भार को उतार फेंकें

“निवास करना” — **G3306 meno** — रहना, ठहरा रहना, टिके रहना
जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा ठहरता है।

“पूरी तरह से” — **G3651 holoteles** — पूर्णतः, अंत तक पूरा
परमेश्वर स्वयं, जो शान्ति का सोता है, तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखें कि यह शब्द किस प्रकार बना है। स्ट्रॉन्स के अनुसार egkrateia (G1466, संयम) दो शब्दों पर आधारित है — G1722, में, और G2904, kratos, शक्ति, शासन — भीतर की शक्ति: व्यक्ति का अपने ऊपर स्वयं का शासन। और egkrateuomai (G1467, संयमी होना) वही शक्ति है जो कार्य में लाई जाती है — कुछ ऐसा नहीं जो व्यक्ति के पास मात्र है, बल्कि कुछ ऐसा जो व्यक्ति दौड़ में करता है। फल और उसका दौड़ना दो रूपों में एक ही शब्द हैं।)

हिब्रू मुख्य शब्द

“शासन करता है” — **H4910 mashal** — शासन करना, प्रभुत्व रखना, राज्य करना
जो अपने मन पर प्रभुता रखता है, वह उस पुरुष से उत्तम है जो किसी नगर को ले लेता है

“नियम” — **H4623 matsar** — संयम, नियम, नियंत्रण
जो अपने आत्मा पर शासन नहीं रखता

“छिपाया” — **H6845 tsaphan** — छिपाना, संचित करना, गुप्त रखना
मैंने तेरे वचन को अपने हृदय में छिपा रखा है

“दूध छुड़ाया गया” — **H1580 gamal** — दूध छुड़ाना, पकना, उदारतापूर्वक व्यवहार करना
जो दूध छूटे हुए हैं

“पर्याप्त” — **H1767 day** — पर्याप्त, यथेष्ट
तुम्हारे लिये जितना आवश्यक हो उतना खाओ

“संकल्प किया” — **H7760 suwm** — लगाना, ठहराना, नियुक्त करना, ठानना
दानिय्येल ने अपने मन में यह ठान लिया

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मशल (H4910, शासन करना) वही शब्द है जो शासन के लिए प्रयोग होता है: वही शब्द इस पद में भी आता है, तू ने उसे अपने हाथों की बनाई हुई वस्तुओं पर अधिकारी ठहराया (भजन संहिता 8:6); और परमेश्वर ने कैन से पाप के विषय में, जो द्वार पर पड़ा रहता है, यही कहा — उसकी लालसा तुझ पर होगी, परन्तु तू उस पर प्रभुता कर (उत्पत्ति 4:7)। जो शासन परमेश्वर ने आरम्भ में स्थापित किया, वह सबसे पहले मनुष्य की अपनी आत्मा पर स्थापित करता है। और मत्सर (H4623, शासन) का अर्थ है संयम — जहाँ यह न हो, वहाँ नीतिवचन कहता है, वह मनुष्य ऐसा नगर है जो उजाड़ है और जिसकी शहरपनाह नहीं है।)

I. रेंगना — इसे कैसे पाएँ

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नीचे से शुरू होती है, और यह भी वैसे ही शुरू होती है। संयम पहले आपके अपने हाथ का काम नहीं है; यह फल है — और फल बनाया नहीं जाता, वह उगाया जाता है। यह एक बेल पर उगता है, और वह बेल एक व्यक्ति है। और शिशु उसे वहीं पाता है जहाँ वह अपना सारा भोजन पाता है: वचन में, दूध के रूप में; उसे वहाँ चाँदी की तरह ढूँढ़ो, और छिपे हुए खजाने की तरह उसकी खोज करो। नीचे से आरंभ करो, वचन की छाती से आरंभ करो, और आरंभ करो।)

A. गलातियों 5:22-23 पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, और दया, भलाई, विश्वास **[G1466 egkrateia ⚑]** (23) नम्रता, और संयम हैं; ऐसे-ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं।

आत्मा का फल → नम्रता, संयम + ऐसों के विरुद्ध कोई भी व्यवस्था नहीं है।

B. यूहन्ना 15:4 तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुम में जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। **[G3306 meno ⚑]**

जिस प्रकार डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से फल नहीं ला सकती, उसी प्रकार तुम भी यदि मुझ में बने न रहो, तो फल नहीं ला सकते।

C. यूहन्ना 15:5 मैं दाखलता हूँ: तुम डालियाँ हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते । **[G2590 karpos ⚑]**

जो मुझ में बना रहता है + और मैं उस में → वही बहुत फल लाता है + मुझ से अलग तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

(मेरे निजी विचार — यहीं संयम पाया जाता है। यह आत्मा के फल के बीच लिखा है, और फल केवल उसी डाली पर लगता है जो दाखलता में बनी रहती है। डाली को काट दो, तो कोई फल नहीं; क्योंकि वह कहता है, मेरे बिना तुम कुछ भी नहीं कर सकते। संयम पाने के लिए, उसी में बने रहो — भीतर की सामर्थ्य उसी की सामर्थ्य है जो तुम में जीवित है।)

D. 2 पतरस 1:3 क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है। **[G1922 epignosis ⚑] [G1411 dunamis ⚑]**

क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है.

E. नीतिवचन 2:4-5 और उसको चाँदी के समान ढूँढ़े, और गुप्त धन के समान उसकी खोज में लगा रहे; (मत्ती 13:44) **[H2664 chaphas ⚑]** (5) तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा।

उसे चाँदी की नाईं ढूँढ़ + गुप्त धन की नाईं उसकी खोज कर → तब तू परमेश्वर के ज्ञान को पाएगा।

F. यूहन्ना 5:39 तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उसमें अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है; **[G2045 ereunao ⚑]**

तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो → और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है.

G. भजन संहिता 119:9 जवान अपनी चाल को किस उपाय से शुद्ध रखे? तेरे वचन का पालन करने से। **[H1697 dabar ⚑]**

जवान अपनी चाल को किस उपाय से शुद्ध रखे? → तेरे वचन का पालन करने से.

H. भजन संहिता 119:11 मैंने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूँ। **[H6845 tsaphan ⚑]**

मैंने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है → कि तेरे विरुद्ध पाप न करूँ.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दीजिए कि युवक का नियम कहाँ से आरम्भ होता है: तेरे वचन के अनुसार सावधान रहने से, और हृदय में छिपाए गए वचन से। tsaphan (H6845, छिपाना) का अर्थ है खजाने की भाँति संचय करना। जो व्यक्ति पाप नहीं करना चाहता, वह वचन को अपने भीतर संचित करता है, जहाँ अभिलाषा उठती है — खजाना ठीक उसी द्वार पर रखा जाता है जहाँ शत्रु दस्तक देता है।)

I. 1 पतरस 2:2 नये जन्मे हुए बच्चों के समान निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ **[G837 auxano ⚑] [G1051 gala ⚑]**

नवजात शिशुओं के समान + वचन के निर्मल दूध की लालसा करो → कि तुम उससे बढ़ो।

J. भजन संहिता 131:2 निश्चय मैंने अपने मन को शान्त और चुप कर दिया है, जैसे दूध छुड़ाया हुआ बच्चा अपनी माँ की गोद में रहता है, वैसे ही दूध छुड़ाए हुए बच्चे के समान मेरा मन भी रहता है । **[H1826 damam ⚑]**

निश्चय मैंने अपने मन को शान्त और चुप कर दिया है → जैसे दूध छुड़ाया हुआ बच्चा अपनी माँ की गोद में रहता है.

K. यशायाह 28:9-10 “वह किसको ज्ञान सिखाएगा, और किसको अपने समाचार का अर्थ समझाएगा? क्या उनको जो दूध छुड़ाए हुए और स्तन से अलगाए हुए हैं? **[H1580 gamal ⚑]** (10) क्योंकि आज्ञा पर आज्ञा, आज्ञा पर आज्ञा, नियम पर नियम, नियम पर नियम थोड़ा यहाँ, थोड़ा वहाँ।”

जो दूध छूटे हुए हैं → उपदेश पर उपदेश + नियम पर नियम + यहां थोड़ा, और वहां थोड़ा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — वह किसे सिखाएगा? उन्हें जो दूध छुड़ाए गए हैं। गमल (H1580, दूध छुड़ाया हुआ) वह बालक है जिसे स्तन से हटाकर उससे आगे बढ़ा दिया गया है; और भजनकार इसे ही शांत की हुई आत्मा का चित्र बनाता है — मैं ने अपने मन को शान्त और चुप कर लिया है, जैसा दूध छुड़ाया हुआ बालक अपनी माता के पास रहता है। जो पहला संयम मनुष्य सीखता है वह है दूध छुड़ाना: वह आत्मा जो अपनी लालसा से शांत की गई है, और जिसे आज्ञा पर आज्ञा, नियम पर नियम, थोड़ा यहाँ, थोड़ा वहाँ सिखाया गया है।)

L. लूका 2:52 और यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया। (1 शमू. 2:26, नीति. 3:4) **[G4298 prokopto ⚑]**

और यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया + 1 शमू. 2:26, नीति. 3:4.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — और यदि आप सोचते हैं कि रेंगना आपके लिए तुच्छ है, तो पुत्र स्वयं बढ़ता गया — prokopto (G4298, बढ़ना), आगे बढ़ना। वह बढ़ता गया, और आप भी बढ़ेंगे। इसमें कोई भी पूर्ण रूप से विकसित होकर जन्म नहीं लेता; दूध की अभिलाषा करो, और उसके द्वारा बढ़ो। अब जब आप खड़े हो चुके हैं, तो चलना सीखो।)

II. चलना — जब यह तेरे पास हो तब इसके साथ क्या करना है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बच्चा अपने पैरों पर खड़ा हो गया है; अब दौनेक चाल आती है। पाया गया सयम अवश्य हो चला गया सयम बनना चाहिए, और चाल का पहला नियम यह है: आत्मा में चलो, और तुम शरीर की अभिलाषाओं को पूरा नहीं करोगे। शरीर पर शासन करने का तरीका यह नहीं है कि खड़े रहकर उससे लड़ा जाए; यह है — चलना — आत्मा में, उजाले में, ईमानदारी से, संयम से — और इन गवाहों में यह देखना कि चाल क्या अस्वीकार करती है, और क्या धारण करती है।)

A. गलातियों 5:16 पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे। **[G1939 epithumia ⚑] [G4043 peripateo ⚑]**

आत्मा के अनुसार चलो → तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे.

B. रोमियों 13:13 जैसे दिन में, वैसे ही हमें उचित रूप से चलना चाहिए; न कि लीलाक्रीड़ा, और पियक्कड़पन, न व्यभिचार, और लुचपन में, और न झगड़े और ईर्ष्या में। **[G4043 peripateo ⚑]**

शालीनता से चलो, जैसे दिन में उचित है + लीलाक्रीड़ा और मतवालेपन में नहीं।

C. रोमियों 13:14 वरन् प्रभु यीशु मसीह को पहन लो, और शरीर की अभिलाषाओं को पूरा करने का उपाय न करो। **[G4307 pronoia ⚑]**

प्रभु यीशु मसीह को पहन लो + शरीर के लिए कोई उपाय न करो।

D. इफिसियों 5:18 और दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ, (नीति. 23:31,32, गला. 5:21-25) **[G810 asotia ⚑]**

और दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है → नीति. 23:31,32, गला. 5:21-25.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पवित्रशास्त्र दो प्रकार के भर जाने को एक-दूसरे के विरुद्ध रखता है: दाखमधु, जो असंयम की ओर ले जाता है — असोतिया (G810, असंयम), एक ऐसा जीवन जो उंडेल दिया गया और नष्ट हो गया — और पवित्र आत्मा। मनुष्य एक पात्र है; प्रश्न केवल यह है कि उसे क्या भरता है। पवित्र आत्मा से भर जाओ, और असंयम के लिए कोई स्थान नहीं रहेगा।)

E. तीतुस 2:11-12 क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों में उद्धार लाने में सक्षम है । **[G4996 sophronos ⚑]** (12) और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर इस युग में संयम और धार्मिकता से और भक्ति से जीवन बिताएँ;

परमेश्वर का अनुग्रह हमें सिखाता है → अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं को त्यागना + संयम से, धार्मिकता से, और भक्ति से जीवन जीना।

F. 2 पतरस 1:5-6 और इसी कारण तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण, और सद्गुण पर समझ **[G1466 egkrateia ⚑]** (6) और समझ पर संयम, और संयम पर धीरज, और धीरज पर भक्ति

सम्पूर्ण यत्न करके → ज्ञान में संयम जोड़ो + संयम में धीरज।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सीढ़ी पर ध्यान दें: संयम को सारी तत्परता के साथ ज्ञान में जोड़ा जाता है, और धीरज संयम पर आधारित है। जो आपने फल के रूप में पाया, उसे अब आपको एक कदम के रूप में जोड़ना है; चाल जितनी आगे बढ़ती है, वह उतनी ऊँची होती जाती है।)

G. तीतुस 2:2 अर्थात् वृद्ध पुरुष सचेत और गम्भीर और संयमी हों, और उनका विश्वास और प्रेम और धीरज पक्का हो। **[G4998 sophron ⚑]**

वृद्ध पुरुष → संयमी, गंभीर, विवेकी + विश्वास में, प्रेम में, धीरज में स्वस्थ।

H. तीतुस 1:8 पर पहुनाई करनेवाला, भलाई का चाहनेवाला, संयमी, न्यायी, पवित्र और जितेन्द्रिय हो; **[G1468 egkrates ⚑]**

एक भले पुरूषों का प्रेमी + संयमी, न्यायी, पवित्र, आत्मसंयमी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ संयमी के अंतर्गत टैग देखिए, G1468: egkrates, अर्थात भीतर से बलवान व्यक्ति, egkrateia का मूल शब्द। जो प्राचीन झुंड के सामने खड़ा होता है, वह ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो स्वयं पर शासन करता हो; और वृद्ध पुरुष भी — गंभीर, संजीदा, संयमी। यह चाल-चलन हर आयु के लिए है, और यह युवावस्था के साथ समाप्त नहीं होता।)

I. उत्पत्ति 4:7 यदि तू भला करे, तो क्या तेरी भेंट ग्रहण न की जाएगी? और यदि तू भला न करे, तो पाप द्वार पर छिपा रहता है, और उसकी लालसा तेरी ओर होगी, और तुझे उस पर प्रभुता करनी है।" **[H4910 mashal ⚑]**

पाप द्वार पर पड़ा रहता है + उसकी लालसा तुझ पर होगी → और तू उस पर प्रभुता करेगा।

J. नीतिवचन 16:32 विलम्ब से क्रोध करना वीरता से, और अपने मन को वश में रखना, नगर को जीत लेने से उत्तम है। **[H4910 mashal ⚑]**

क्रोध करने में धीरजवन्त = पराक्रमी से उत्तम + अपने मन को वश में रखनेवाला उस पर से उत्तम है जो नगर को जीत लेता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन दो शब्दों को शासन के लिए एक साथ रखें। कैन से पाप के विषय में कहा गया था, तुझे उस पर शासन करना है — मशल (H4910, शासन करना) — पूरी पुस्तक में संयम के बारे में यह पहली आज्ञा है, जो उस द्वार पर कही गई जहाँ अभिलाषा प्रतीक्षा कर रही थी। और नीतिवचन उसी शब्द का मुकुट रखता है: जो अपनी आत्मा पर शासन करता है वह उस से उत्तम है जो किसी नगर को जीत लेता है। संसार उसे बलवान मानता है जो नगर को जीत लेता है; परमेश्वर उसे अधिक बलवान मानता है जो अपनी आत्मा पर शासन करता है।)

K. नीतिवचन 25:16 क्या तूने मधु पाया? तो जितना तेरे लिये ठीक हो उतना ही खाना, ऐसा न हो कि अधिक खाकर उसे उगल दे। **[H1767 day ⚑]**

क्या तुझे मधु मिला है? → जितना तेरे लिये पर्याप्त हो उतना ही खा।

L. याकूब 1:19 हे मेरे प्रिय भाइयों, यह बात तुम जान लो, हर एक मनुष्य सुनने के लिये तत्पर और बोलने में धीर और क्रोध में धीमा हो। **[G1021 bradus ⚑]**

सुनने में शीघ्र + बोलने में धीमा + क्रोध में धीमा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सयम का दौनिक चाल आधेकतर एक छोटे द्वार से होकर गुज़रता है: मुँह — और यह द्वार दोनों दिशाओं में काम करता है। भोजन भीतर जाता है: यहाँ तक कि शहद, जो एक अच्छी और मीठी वस्तु है, वचन कहता है, उतना ही खाओ जितना पर्याप्त है — दाय (H1767, पर्याप्त), काफ़ी। शब्द बाहर जाते हैं: सुनने में फुर्तीले बनो, बोलने में धीमे, क्रोध करने में धीमे। द्वार पर शासन करो, और तुमने चाल के अधिकांश भाग पर शासन कर लिया है। इस प्रकार चलो, और तुम दौड़ने के लिए तैयार हो।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब चाल दौड़ बन जाती है, और दौड़ युद्ध बन जाती है। एक स्थान पर एक छिपी हुई बात पर ध्यान दें: इसलिए मैं ऐसे DAUDता हूँ, पौलुस कहता है, और उसी साँस में, मैं ऐसे LADता हूँ — धावक और योद्धा एक ही व्यक्ति हैं। और देखिए कि उसके प्रहार कहाँ पड़ते हैं: किसी दूसरे व्यक्ति पर नहीं — मैं अपनी देह को वश में रखता हूँ, hupopiazo (G5299, to keep under), जिसका अनुवाद स्ट्रॉन्स आँख के नीचे मारना करता है। संयमी व्यक्ति का पहला शत्रु उसका अपना शरीर है; और उस शरीर का परमेश्वर के सामने समर्पण ही सैनिक का सम्पूर्ण कर्तव्य है।)

A. 1 कुरिन्थियों 9:24 क्या तुम नहीं जानते, कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है? तुम वैसे ही दौड़ो, कि जीतो। **[G5143 trecho ⚑] [G4712 stadion ⚑]**

दौड़ में दौड़नेवाले सब तो दौड़ते हैं + इसलिये तुम ऐसी दौड़ दौड़ो, कि इनाम पाओ।

B. 1 कुरिन्थियों 9:25 और हर एक पहलवान सब प्रकार का संयम करता है, वे तो एक मुर्झानेवाले मुकुट को पाने के लिये यह सब करते हैं, परन्तु हम तो उस मुकुट के लिये करते हैं, जो मुर्झाने का नहीं। **[G1467 egkrateuomai ⚑] [G75 agonizomai ⚑]**

हर एक पहलवान सब बातों में परहेज़ करता है → हम एक अविनाशी मुकुट पाएं।

C. 1 कुरिन्थियों 9:26 इसलिए मैं तो इसी रीति से दौड़ता हूँ, परन्तु बेठिकाने नहीं, मैं भी इसी रीति से मुक्कों से लड़ता हूँ, परन्तु उसके समान नहीं जो हवा पीटता हुआ लड़ता है। **[G4438 pukteuo ⚑]**

इसलिए मैं तो इसी रीति से दौड़ता हूँ, परन्तु बेठिकाने नहीं + मैं भी इसी रीति से मुक्कों से लड़ता हूँ, परन्तु उसके समान नहीं जो हवा पीटता हुआ लड़ता है.

D. 1 कुरिन्थियों 9:27 परन्तु मैं अपनी देह को मारता कूटता, और वश में लाता हूँ; ऐसा न हो कि औरों को प्रचार करके, मैं आप ही किसी रीति से निकम्मा ठहरूँ। **[G1396 doulagogeo ⚑] [G5299 hupopiazo ⚑]**

मैं अपने शरीर को दबा रखता हूं + और उसे वश में लाता हूं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — वश में लाना doulagogeo (G1396) है, अर्थात दास के समान अगुवाई करना। शरीर एक अच्छा सेवक और एक बुरा स्वामी है; धावक उसे सेवा करने पर विवश करता है। और ध्यान दीजिए क्यों: ताकि, दूसरों को उपदेश देने के बाद, वह स्वयं अयोग्य न ठहरे। दौड़ कहीं और से जल्दी नहीं हारी जाती जितनी शीघ्र किसी व्यक्ति के अपने ही अनियंत्रित शरीर में हारी जाती है।)

E. 2 तीमुथियुस 2:3 मसीह यीशु के अच्छे योद्धा के समान मेरे साथ दुःख उठा । **[G4757 stratiotes ⚑]**

कठिनाई सह लो = यीशु मसीह के एक अच्छे सिपाही के समान।

F. 2 तीमुथियुस 2:4 जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिए कि अपने वरिष्ठ अधिकारी को प्रसन्न करे, अपने आपको संसार के कामों में नहीं फँसाता **[G1707 empleko ⚑]**

कोई भी योद्धा इस जीवन के व्यवहारों में अपने आपको उलझाता नहीं -- ताकि वह उसे प्रसन्न करे जिसने उसे सिपाही होने के लिये चुना है।

G. 2 तीमुथियुस 2:5 फिर अखाड़े में लड़नेवाला यदि विधि के अनुसार न लड़े तो मुकुट नहीं पाता। **[G118 athleo ⚑]**

यदि कोई मनुष्य पहलवानी करे → तौभी जो कानून के अनुसार पहलवानी न करे, वह सेहरा नहीं पाता।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — निपुणताओं के लिए प्रयत्न करना athleo (G118) है, खेलों में जैसे प्रतिस्पर्धा करना; और मुकुट एक शब्द पर निर्भर करता है: नियमानुसार। सैनिक उलझा हुआ नहीं चलता; प्रतिस्पर्धी मार्ग से भटकता नहीं। संयम पूरे मार्ग को नियम के अधीन रखना है — सब कुछ व्यवस्थित, ताकि दौड़ में मुकुट न खो जाए।)

H. 2 तीमुथियुस 2:22 जवानी की अभिलाषाओं से भाग; और जो शुद्ध मन से प्रभु का नाम लेते हैं, उनके साथ धार्मिकता, और विश्वास, और प्रेम, और मेल-मिलाप का पीछा कर। **[G1939 epithumia ⚑]**

जवानी की अभिलाषाओं से भी भाग + धार्मिकता, विश्वास, प्रेम, शांति के पीछे चल।

I. 1 पतरस 2:11 हे प्रियों मैं तुम से विनती करता हूँ कि तुम अपने आपको परदेशी और यात्री जानकर उन सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो। (गला. 5:24, 1 पत. 4:2) **[G4754 strateuomai ⚑] [G567 apechomai ⚑]**

परदेशी और यात्री होकर → शारीरिक अभिलाषाओं से बचे रहो, जो प्राण से लड़ती हैं।

J. रोमियों 6:13 और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। **[G3696 hoplon ⚑] [G3936 paristemi ⚑]**

अपने आप को परमेश्वर के लिए समर्पित करो + अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार के रूप में परमेश्वर के लिए समर्पित करो।

K. 2 कुरिन्थियों 10:4 क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। **[G3696 hoplon ⚑]**

क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं → पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं.

L. 2 कुरिन्थियों 10:5 हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो परमेश्वर की पहचान के विरोध में उठती है, खण्डन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं। **[G163 aichmalotizo ⚑]**

हम कल्पनाओं को + और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दें टैगों पर: रोमियों में धार्मिकता के अस्त्र और कुरिन्थियों में हमारे युद्ध के शस्त्र एक ही यूनानी शब्द हैं — दोनों के अंतर्गत G3696, होप्लोन, कवच, शस्त्र। अपने शरीर के अंगों को परमेश्वर को समर्पित कर दो, और तुम्हारे शरीर के अंग ही उसके शस्त्र हैं। और युद्ध पहले भीतर ही लड़ा जाता है: तर्क-वितर्क गिराए जाते हैं, और हर एक विचार को बंदी बना लिया जाता है — संयमी व्यक्ति बाहर किसी शत्रु से मिलने से पहले ही अपने विचारों को बंदी बना लेता है।)

M. नीतिवचन 25:28 जिसकी आत्मा वश में नहीं वह ऐसे नगर के समान है जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई हो। **[H4623 matsar ⚑]**

जो अपनी आत्मा पर शासन नहीं रखता = वह टूटे हुए और बिना शहरपनाह के नगर के समान है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — और यहाँ खड़ी है सैनिक की चेतावनी: जिस व्यक्ति में संयम नहीं है, उसकी तुलना किसी गिरे हुए सैनिक से नहीं, बल्कि एक गिरे हुए नगर से की गई है — जो टूटा हुआ है, और जिसकी शहरपनाह नहीं है। किसी शत्रु को उसे जीतने की आवश्यकता नहीं, वह तो पहले से ही खुला पड़ा है। अपनी शहरपनाह की रखवाली करो, और सचेत रहो।)

N. इब्रानियों 12:1 इस कारण जबकि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमको घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें। **[G73 agon ⚑] [G3591 ogkos ⚑]**

हर एक भार को उतार फेंको + धीरज के साथ उस दौड़ में दौड़ो जो हमारे सामने रखी है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — धावक हर बोझ को उतार फेंकता है — ऑगकोस (G3591, भार), वह भार जिसे ढोया जाता है। हर भार पाप नहीं होता; परन्तु हर भार तुम्हें धीमा अवश्य कर देता है। सिपाही युद्ध की आवश्यकता से अधिक कुछ नहीं उठाता, और धावक दौड़ की आवश्यकता से अधिक कुछ नहीं। इसे उतार दो, और धीरज के साथ दौड़ो; अंतिम रेखा तुम्हारे आगे है।)

IV. अंतिम रेखा — उसकी इच्छा पर चलनेवाला, और वह वचन, सदा बना रहता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर दौड़ का एक अंत होता है, और यह अंत कोई दीवार नहीं है; यह एक मुकुट है। पौलुस को दौड़ के अंतिम छोर पर सुनो: अच्छी कुश्ती लड़ी गई, दौड़ पूरी की गई, विश्वास बनाए रखा गया। और ध्यान दो कि यह अंत संयम के बारे में क्या प्रमाणित करता है: संसार मिटता जाता है, और उसके साथ उसकी अभिलाषाएं भी — हर वह अभिलाषा जिसकी मनुष्य ने सेवा की, उस संसार के साथ मिटती जाती है जिसने उसे उत्पन्न किया — परन्तु जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है। संयमी व्यक्ति ने उसे छोड़ दिया जो मिट जाता है, और उसे थाम लिया जो सदा बना रहता है।)

A. फिलिप्पियों 3:13-14 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँ; परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूलकर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ **[G1377 dioko ⚑]** (14) निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ, जिसके लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

उन बातों को भूलकर जो पीछे हैं + उन बातों की ओर बढ़कर जो आगे हैं → मैं निशाने की ओर उस इनाम के लिये दौड़ता हूं।

B. 2 तीमुथियुस 4:7 मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास की रखवाली की है। **[G1408 dromos ⚑] [G73 agon ⚑]**

मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ + मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है + मैंने विश्वास की रखवाली की है.

C. 2 तीमुथियुस 4:8 भविष्य में मेरे लिये धार्मिकता का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी, और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा और मुझे ही नहीं, वरन् उन सब को भी, जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं। **[G4735 stephanos ⚑]**

धार्मिकता का मुकुट + न केवल मुझे, परन्तु उन सब को भी जो उसके प्रगट होने से प्रेम रखते हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — वह मुकुट केवल एक धावक के लिए नहीं है। पौलुस कहता है, न केवल मेरे लिए, परन्तु उन सभी के लिए भी जो उसके प्रगट होने से प्रेम रखते हैं। और यह ऐसा मुकुट है जो नष्ट नहीं हो सकता — जो नाशवान मुकुटों के लिए दौड़े, वे सब बातों में संयमी थे; तो जो इस मुकुट के लिए दौड़ते हैं, वे कितना अधिक संयमी होंगे।)

D. इब्रानियों 12:2 और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें; जिसने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके, क्रूस का दुःख सहा; और सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा। (1 पत. 2:23,24, तीतु. 2:13,14) **[G5278 hupomeno ⚑]**

यीशु की ओर ताकते हुए = हमारे विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले → उसने क्रूस को सहन किया।

E. याकूब 1:12 धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है। **[G3986 peirasmos ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है → क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा.

F. मत्ती 24:13 परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा। **[G5056 telos ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा → उसी का उद्धार होगा.

G. 1 यूहन्ना 2:16 क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड, वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है। (रोम. 13:14, नीति. 27:20) **[G1939 epithumia ⚑]**

शरीर की लालसा + आँखों की लालसा + जीवन का अभिमान → पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार की ओर से।

H. 1 यूहन्ना 2:17 संसार और उसकी अभिलाषाएँ दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा। **[G3306 meno ⚑]**

संसार और उसकी अभिलाषाएँ दोनों मिटते जाते हैं → पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब टैग देखें, G3306, और इसे भली-भाँति नोट करें: जो शब्द यहाँ रहता है के रूप में अनुवादित है, वही शब्द दाखलता में बना रहना — मुझमें बना रहना — के रूप में अनुवादित है, और वही शब्द प्रभु के वचन के सदा बना रहता है में स्थिर है के रूप में अनुवादित है। शाखा दाखलता में बनी रहती है; जो उसकी इच्छा पूरी करता है वह सदा बना रहता है; और वचन दोनों के साथ बना रहता है। जो अभिलाषा ने वादा किया, वह उसे रख न सकी, क्योंकि अभिलाषा स्वयं संसार के साथ मिट जाती है; जो दाखलता उत्पन्न करती है, वह बना रहता है।)

I. **1 पतरस 1:24** क्योंकि "हर एक प्राणी घास के समान है, और उसकी सारी शोभा घास के फूल के समान है: घास सूख जाती है, और फूल झड़ जाता है। **[G5528 chortos ⚑]**

सारा शरीर घास के समान है + घास सूख जाती है, और उसका फूल गिर जाता है।

J. **1 पतरस 1:25** परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है ।" और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था। (लूका 16:17, 1 यूह. 1:1, यशा. 40:8) **[G3306 meno ⚑]**

परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है + और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था। (लूका 16:17, 1 यूह. 1:1, यशा. 40:8.

K. **यशायाह 40:8** घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है; परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25) **[H1697 dabar ⚑]**

घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है + परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25.

(मेरे निजी विचार — पतरस को यशायाह के साथ रखिए, और एक ही स्वर सुनिए: घास सूख जाती है, फूल मुरझा जाता है, और सारा प्राणी — अपनी हर लालसा के साथ — वही घास है; परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदा स्थिर रहेगा। जिस शरीर की सेवा करने से संयमी व्यक्ति ने इनकार किया, वह उसी समय मुरझा रहा था जब वह सेवा किए जाने की दुहाई दे रहा था। जिस वचन के अनुसार वह चला, वह अब भी स्थिर है, जब घास जा चुकी है।)

दो के मुख

1 थिस्सलुनीकियों 5:6 इसलिए हम औरों की समान सोते न रहें, पर जागते और सावधान रहें। **[G3525 nepho ⚑] [G1127 gregoreo ⚑]**

इसलिए हम औरों की समान सोते न रहें → पर जागते और सावधान रहें.

1 पतरस 5:8 सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए। **[G1127 gregoreo ⚑] [G3525 nepho ⚑]**

संयमी बनो, सावधान रहो → तुम्हारा विरोधी शैतान गरजनेवाले सिंह की नाईं इधर उधर फिरता है, कि किसे निगल जाए।

1 पतरस 1:13 इस कारण अपनी-अपनी बुद्धि की कमर बाँधकर, और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी आशा रखो, जो यीशु मसीह के प्रगट होने के समय तुम्हें मिलनेवाला है। **[G3525 nepho ⚑] [G328 anazonnumi ⚑]**

अपने मन की कमर कस लो + संयमी बनो + अंत तक आशा रखो।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दोनों वक्ताओं को सुनिए, और शब्दों में इस दर्पण-प्रतिबिंब को देखिए: पौलुस कहते हैं, आओ हम जागते रहें और सचेत रहें — gregoreo, nepho; पतरस कहते हैं, सचेत रहो, जागते रहो — nepho, gregoreo. वही दो शब्द, एक वक्ता दूसरे को उत्तर देता हुआ, ऐसे उलटे हुए जैसे एक मुख दूसरे मुख का उत्तर देता है। और पतरस सचेतता को अंतिम रेखा पर रखते हैं: सचेत रहो, और अंत तक आशा रखो। दो गवाहों की गवाही से यह बात स्थिर हो जाती है: संयमी व्यक्ति एक जागृत व्यक्ति है, अपने प्रभु के आने तक सचेत।)

छाया और पूर्णता

Shadow **दानिय्येल 1:8** परन्तु दानिय्येल ने अपने मन में ठान लिया कि वह राजा का भोजन खाकर और उसका दाखमधु पीकर स्वयं को अपवित्र न होने देगा; इसलिए उसने खोजों के प्रधान से विनती की, कि उसे अपवित्र न होने दे। **[H7760 suwm ⚑]**

दानिय्येल ने अपने मन में निश्चय किया → कि वह राजा के भोजन से, और उसके पीने के दाखमधु से अपने को अपवित्र न करेगा।

Fulfillment **मत्ती 4:4** यीशु ने उत्तर दिया, "लिखा है, 'मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।'" **[G4487 rhema ⚑]**

मनुष्य केवल रोटी से जीवित न रहेगा → परन्तु परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर वचन से।

Fulfillment **गलातियों 5:24** और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। **[G4717 stauroo ⚑]**

और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — छाया एक विदेशी राजा के घर में एक बालक है। दानिय्येल ने अपने हृदय में ठान लिया — सूम (H7760), ठहराना: उसने भोजन उसके सामने रखे जाने से पहले ही अपने हृदय में यह ठहरा लिया था — और वह राजा के भोजन से अपने आप को अशुद्ध न करेगा। वास्तविकता जंगल में वह पुत्र है, भूखा, जबकि परखनेवाला उससे कह रहा है कि वह रोटी प्रकट होने की आज्ञा दे; और उसने अपनी भूख से नहीं परंतु वचन से उत्तर दिया: लिखा है। छाया ने हृदय के एक निर्णय से राजा की मेज़ को अस्वीकार किया; वास्तविकता ने परमेश्वर के मुख से निकलनेवाले हर वचन से विजय पाई; और जो उसके हैं उन्होंने शरीर को उसकी अभिलाषाओं और वासनाओं सहित क्रूस पर चढ़ा दिया है — उसकी विजय उनका मार्ग बन गई है।)

समापन

1 कुरिन्थियों 10:13 तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने के बाहर है: और परमेश्वर विश्वासयोग्य है: वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, वरन् परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको। (2 पत. 2:9) **[G1545 ekbasis ⚑]**

परमेश्वर विश्वासयोग्य है → परन्तु परीक्षा के साथ निकास का मार्ग भी बना देगा, कि तुम सह सको।

1 थिस्सलुनीकियों 5:23-24 शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; तुम्हारी आत्मा, प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। **[G5083 tereo ⚑] [G3651 holoteles ⚑]** (24) तुम्हारा बुलानेवाला विश्वासयोग्य है, और वह ऐसा ही करेगा।

शांति का परमेश्वर आप ही आपको पूरी तरह पवित्र करे + आत्मा और प्राण और देह सिद्ध और निर्दोष रखा जाए → जो तुम्हें बुलाता है, वह विश्वासयोग्य है, और वह यह भी करेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब सारा रास्ता घर तक इकट्ठा करो। पहले घुटनों चलना: संयम फल है, दाखलता पर पाया जाता है, वचन से दूध के समान निकाला जाता है — उसे चांदी के समान खोजो। फिर चलना: आत्मा में चलो, और अभिलाषा पूरी नहीं होती; अपनी आत्मा पर शासन करो; अपने मुँह के द्वार की रक्षा करो; केवल उतना ही खाओ जितना पर्याप्त है। फिर दौड़ और युद्ध: सब बातों में संयमी; शरीर को वश में रखा गया; शरीर के अंग धर्म के हथियारों के रूप में समर्पित; हर विचार बंदी बनाया गया। फिर अंतिम रेखा: संसार बीत जाता है, और उसकी अभिलाषाएं उसके साथ, परन्तु जो उसकी इच्छा पूरी करता है वह सदा बना रहता है, और मुकुट नाश नहीं हो सकता। और यह रखना केवल तुम्हारा ही नहीं है: परमेश्वर विश्वासयोग्य है — परीक्षा के साथ, बच निकलने का मार्ग; और शांति का परमेश्वर स्वयं तुम्हें पूरी तरह पवित्र करे — टैग देखो, G3651: स्ट्रॉन्स कहता है अंत तक सम्पूर्ण — आत्मा और प्राण और शरीर अनिंदनीय रखे जाएं हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक। विश्वासयोग्य है वह जो तुम्हें बुलाता है, जो यह भी करेगा। चलते रहो।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. गलातियों 5:22-23 — परन्तु आत्मा का फल यह है, अर्थात प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, संयम, ऐसे-ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं:

a) कोई दण्ड की आज्ञा नहीं
b) कोई आज्ञा नहीं
c) कोई कानून नहीं

2. 1 कुरिन्थियों 9:25 — और जो कोई पहलवानी करता है, वह सब बातों में परहेज़गार होता है:

a) दौड़ में
b) सब बातों में
c) इस वर्तमान संसार में

3. नीतिवचन 16:32 — जो विलम्ब से क्रोध करता है वह शूरवीर से उत्तम है, और जो अपनी आत्मा को वश में रखता है वह उससे उत्तम है जो:

a) जो नगर को जीत लेता है
b) शक्तिशाली
c) एक टूटा हुआ नगर

4. 1 पतरस 5:8 — सचेत हो, जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान, गरजते हुए सिंह के समान:

a) इस जीवन के व्यवहारों में उलझता है
b) आत्मा के विरुद्ध युद्ध करता है
c) चारों ओर घूमता है, यह देखता हुआ कि किसे निगल जाए

5. दानिय्येल 1:8 — दानिय्येल ने अपने मन में ठान लिया कि वह अपने आप को इससे अशुद्ध न करेगा:

a) राजा के भोजन के भाग से, और न ही दाखमधु से
b) आँखों की अभिलाषा, और जीवन का अभिमान
c) इस जीवन के मामले

6. 1 यूहन्ना 2:17 — और संसार, और उस की अभिलाषा दोनों मिटते जाते हैं, परन्तु जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है:

a) जीवन का मुकुट प्राप्त करेगा
b) सर्वदा बना रहता है

c) बचाया जाएगा

7. **1 कुरिन्थियों 9:27 — परन्तु मैं अपनी देह को दुर्बल करता हूं, और:**
   a) उसे धार्मिकता के एक हथियार के रूप में समर्पित करना
   b) हर एक बोझ को उतार फेंकें
   c) उसे अधीन कर लेना

उत्तर कुंजी: 1-c, 2-b, 3-a, 4-c, 5-a, 6-b, 7-c

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: राजा के घराने का एक बालक अपने हृदय में यह ठान चुका था, और राजा के भोजन से, न ही दाखमधु से अपने आप को अशुद्ध नहीं करेगा (दानिय्येल 1:8) — उसे उस नाज़ीर के साथ रखिए जो दाखमधु और मदिरा से अपने आप को अलग रखता है (गिनती 6:2-3), और साथ ही इसके — दाखमधु से मतवाले न हो... परन्तु आत्मा से परिपूर्ण हो (इफिसियों 5:18), अपने ही अध्ययन के लिए तैयार।

नई वाचा इसे कैसे स्पष्ट करती है: कैइन से कहा गया था, पाप द्वार पर पड़ा रहता है... तू उस पर प्रभुता करेगा (उत्पत्ति 4:7); हमसे कहा गया है, पाप तुम पर प्रभुता न करेगा: क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं, वरन अनुग्रह के अधीन हो (रोमियों 6:14) — जो द्वार पर आज्ञा दी गई थी, वह अब अनुग्रह के द्वारा किया जाता है।

शब्दों का महत्व कैसे है: जागते रहो और सचेत रहो (1 थिस्सलुनीकियों 5:6) और सचेत हो, जागृत रहो (1 पतरस 5:8) एक ही दो यूनानी शब्दों (G1127, G3525) पर आधारित हैं, एक मुख दूसरे का उत्तर देता है; और रोमियों 6:13 के साधन और 2 कुरिन्थियों 10:4 के हथियार एक ही शब्द (G3696) हैं — समर्पित अंग ही कवच हैं।

यह अनंतकाल तक कैसे पहुंचता है: वे एक नाशवान मुकुट पाने के लिये यह करते हैं; परन्तु हम एक अविनाशी मुकुट पाने के लिये (1 कुरिन्थियों 9:25) — और संसार और उसकी अभिलाषा मिटते जाते हैं: परन्तु जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है (1 यूहन्ना 2:17)।

विषयांतर: कि तुम में से हर एक अपने अपने पात्र को पवित्रता और आदर के साथ रखना जाने (1 थिस्सलुनीकियों 4:4), आदर के योग्य पात्र, पवित्र किया हुआ, और स्वामी के काम के लिये उपयोगी पात्र (2 तीमुथियुस 2:21) की ओर खुलता है — खोज कर देखें।

संभावित प्रकाशन: वह शब्द जो दाखलता में बने रहना (यूहन्ना 15:4, G3306) के रूप में अनुवादित है, वही शब्द है जो सर्वदा बना रहता है (1 यूहन्ना 2:17) और सर्वदा स्थिर रहता है (1 पतरस 1:25) के रूप में अनुवादित है — संयम फल है, फल उस डाली पर लगता है जो बनी रहती है, और बनी रहने वाली डाली वचन के साथ सर्वदा बनी रहती है।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).